MARJ-03

June - Examination 2026
M.A. (Previous) Examination
RAJASTHANI
राजस्थानी साहित्य रो इतिहास
Paper : MARJ-03

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' मांय बंट्योडौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है। हरेक खंड रै आगै दियौड़ा निर्देशां मुजब आपरा पड़ूत्तर लिखौ।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा दियौड़ा **सगळां सवालां** रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है। सबद, अेक वाक्य अर **30** सबद सींव है। हरेक सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) भासा अर बोली में कांई फरक हुया करै?

   (ii) राजस्थानी री हाड़ोती बोली रौ छैतर बतावौ।

   (iii) 'कुवलयमाला' ग्रंथ रा रचनाकार कुण हा?

   (iv) राजस्थानी में ऊंट रौ विलोम सबद मांडौ।

   (v) 'पिंगळ' सबद रौ म्यानौ देवौ।

   (vi) 'हाथ पीळा करणौ' मुहावरै रौ अरथ बतावौ।

   (vii) 'अचळदास खीची री वचनिका' रै रचनाकार री ओळखांण करावौ।

   (viii) आधुनिक राजस्थानी साहित्य रै कोई तीन कहाणीकारां रा नाम लिखौ।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– नीचै लिख्या सवालां मांय सूं **कोई चार** सवालां रौ पड़ूत्तर दिरावौ। सबद सींव **200** सबद है। हरेक सवाल **8** अंक रौ है।

2. अपभ्रंस भासा रौ भौगोलिक छैत्र बतावता थका इणरी विसेसतावां रौ खुलासौ करौ।

3. राजस्थानी री मानीती बोलियां रौ परिचै दिरावौ।

4. मुड़िया लिपि री ओळखांण करावौ।

5. राजस्थानी भासा रै देसी अर विदेसी अध्येता विद्वानां रौ उल्लेख करौ।

6. डिंगळ अर पिंगळ रौ सामान्य परिचै देवतां हुया बतावौ के अै दोनूं भासा है कै सैलियां।

7. पूर्ण कालिक क्रिया सूं कांई मतलब है?

8. राजस्थानी साहित्य रै आदिकाल नै वीरगाथा काल क्यूं कैइजै? बानगी मांडौ।

9. सुचावै प्रगतिसील कवियां रौ परिचै देवौ।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(मोटा सवाल)

निर्देश :– नीचै लिख्या सवालां मांय सूं **कोई दोय** सवालां रौ पडूत्तर दिरावौ। सबद सींव **500** सबदां री है। हरेक सवाल **16** अंक रौ है।

10. राजस्थानी नांव री सारथकता नै बतळावता थकां राजस्थानी री विसेसतावां नै समझावौ।

11. 'नागरी लिपि' रौ नामकरण करता थकां नागरी रै स्वराखरां रै विकास नै समझावौ।

12. किणी अेक बोली रौ खुलासौ करौ –

ढूंढाड़ी, हाड़ौती, मारवाड़ी, मेवाड़ी

13. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधावां कुण–कुणसी है? विगत वार समझावौ।
